

27/7/22

पत्रावाली जेथ इठी वाठी क उक्ते  
अखि वरुण अनुपल्लिख । आवान  
उलिवारी गरी चार-चार आवान  
उलिवारी गरी केचे के ले कोरे  
उपलिनार नही आपा अल वरु  
वाडी अडक हातारी कडक पली  
खारीज कि, गारुडी फाली  
नरुण के मग केरुणालि  
दुपुल्य 7/13

